इकाई - III

9. रहीम के दोहे

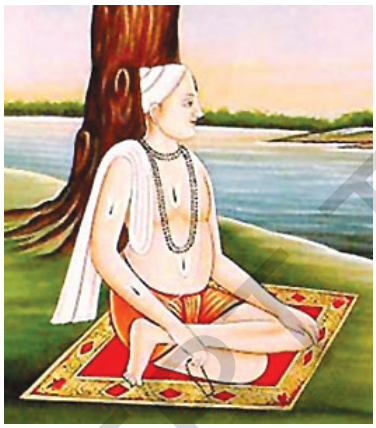

प्रश्न :

1. ऊपर दिये गये चित्रों को पहचानिए?
2. कबीरदास का एक दोहा सुनाइए।
3. रहीम के बारे में आप क्या जानते हैं?
4. तुलसीदास किसके भक्त थे?
5. मीराबाई के बारे में आप क्या जानते हैं?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

SCERT TELANGANA

कहि रहीम संपति सगे, बनत बहुत बहु रीत।
बिपति कसौटी जे कसे, तेई साँचे मीत।।1।।

जाल परे जल जात बहि, तजि मीनन को मोह।
रहिमन मछरी नीर को, तऊ न छाँड़ति छोह।।2।।

तरुवर फल नहिं खात है, सरवर पियत न पान।
कहि रहीम परकाज हित, संपति-सचहिं सुजान।।3।।

थोथे बादर क्वार के, ज्यों रहीम घहरात।
धनी पुरुष निर्धन भए, करें पाछिली बात।।4।।

धरती की-सी रीत है, सीत घाम औ मेह।
जैसी परे सो सहि रहे, त्यों रहीम यह देह।।5।।

SCERT TELANGANA

सुनिए–बोलिए

1. संपत्ति के साथ मित्र लोगों की संख्या क्यों बढ़ती है? ऐसे मित्रों के बारे में **आपके** क्या विचार हैं?
2. रहीम के दोहे में वर्णित बादलों के बारे में अपने विचार बताइए।

पढ़िए

1. पाठ में दिए गए दोहों की कोई पंक्ति कथन है और कोई कथन को प्रमाणित करने वाला उदाहरण। इन दोनों प्रकार की पंक्तियों को पहचान कर अलग–अलग लिखिए।
2. निम्न भाव वाले दोहे लिखिए।

   क. संपत्ति में बहुत सारे मित्र मिल जाते हैं लेकिन विपत्ति में साथ देने वाले ही सच्चे मित्र होते हैं।

   ख. जिस प्रकार वृक्ष फल नहीं खाते, सरोवर पानी नहीं पीते, उसी तरह परमार्थ के लिए सज्जन संपत्ति का संचय करते हैं।

लिखिए

1. रहीम के अनुसार सच्चा मित्र कौन है?
2. रहीम ने शरीर की क्या विशेषता बतायी है?
3. रहीम ने क्वार के मास में गरजनेवाले बादलों की तुलना ऐसे निर्धन व्यक्तियों से क्यों की है? जो पहले कभी धनी थे और बीती बातों को बताकर दूसरों को प्रभावित करना चाहते हैं? दोहे के आधार पर आप सावन के बरसने और गरजने वाले बादलों के विषय में क्या कहना चाहेंगे?

शब्द भंडार

पर्याय शब्दों के संदर्भ में बेमेल शब्द चुनकर लिखिए।

1. नीर, पीर, जल, पानी ( )
2. सरवर, सरोवर, परिवार, तालाब ( )
3. मीत, रीत, मित्र, दोस्त ( )
4. तरु, अरु, पेड़, वृक्ष ( )

SCERT TELANGANA

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

■ पाठ के दोहों के आधार पर सूक्तियाँ बनाइए।

प्रशंसा

■ नीचे दिये गये दोहों में बताई गई सच्चाइयों को यदि हम अपने जीवन में उतार लें तो क्या लाभ होंगे? सोचिए और लिखिए।

क. तरुवर फल ..... संचहि सुजान।।

ख. धरती की–सी ..... यह देह।।

भाषा की बात

1.निम्नलिखित शब्दों के प्रचलित हिंदी रूप लिखिए।

जैसे–परे–पड़े (रे, ड़े)

बिपति बादर मछरी सीत

2. नीचे दिये उदाहरण पढ़िए।

क. बनत बहुत बहु रीत

ख. जाल परे जल जात बहि

उपर्युक्त उदाहरणों की पहली पंक्ति में 'ब' का प्रयोग कई बार किया गया है और दूसरी में 'ज' का प्रयोग। इस प्रकार बार–बार एक ध्वनि के आने से भाषा की सुंदरता बढ़ जाती है। वाक्य रचना की इस विशेषता के अन्य उदाहरण खोजकर लिखिए।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. कविता गा सकता हूँ। सुना सकता हूँ। भाव बता सकता/सकती हूँ।		
2. इस स्तर की कविताओं का भाव पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. इस स्तर की कविताओं का भाव व्याख्या करते हुए लिख सकता/सकती हूँ।		
4. कविता के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. इस पाठ के दोहों के आधार पर सूक्तियाँ लिख सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA